G20 'ट्रोइका' में शामिल हुआ भारत

प्रिलिम्स के लिये:

G20 'ट्रोइका'

मेन्स के लिये:

G20 और भारत

चर्चा में क्यों?

हाल ही में भारत **G20** 'ट्रोइका' में शामिल हो गया है और इसके साथ ही भारत ने अगले वर्ष के लिये 'G20' की प्रेसीडेंसी संभालने की प्रक्रिया शुरू कर दी है।

प्रमुख बिंदु

- **'ट्रोइका' के विषय में:**
  - यह G20 के भीतर एक शीर्ष समूह को संदर्भित करता है जिसमें वर्तमान, पिछला और आगामी अध्यक्ष देश यानी इंडोनेशिया, इटली और भारत शामिल हैं।
  - ट्रोइका सदस्य के रूप में भारत G20 के एजेंडे की निरंतरता सुनिश्चित करने के लिये इंडोनेशिया और इटली के साथ मिलकर काम करेगा।
    - भारत 1 दिसंबर, 2022 को इंडोनेशिया से G20 की अध्यक्षता ग्रहण करेगा और वर्ष 2023 में भारत में पहली बार G20 लीडर्स समिट का आयोजन किया जाएगा।
    - इटली ने 30-31 अक्तूबर, 2021 के दौरान G20 शिखर सम्मेलन की मेजबानी की, जहाँ भारत ने तालिबान द्वारा अधिग्रहण के बाद अफगानिस्तान के भविष्य के मुद्दे को उठाया था।
    - इंडोनेशिया ने **1 दिसंबर, 2021 से G20 की अध्यक्षता संभाली और आने वाले महीनों में इंडोनेशिया 30-31 अक्तूबर, 2022 को निर्धारित G20 लीडर्स समिट** से पहले G20 के सदस्यों के बीच विभिन्न स्तरों पर चर्चा हेतु सम्मेलन आयोजित करेगा।
    - **अगले वर्ष का शिखर सम्मेलन "रिकवर टुगेदर, रिकवर स्ट्रांगर" के समग्र विषय के साथ आयोजित किया जाएगा।**

जी20:

- **परिचय:**
  - G20 समूह **विश्व बैंक** एवं **अंतर्राष्ट्रीय मुद्रा कोष** के प्रतिनिधि, **यूरोपियन यूनियन** एवं 19 देशों का एक अनौपचारिक समूह है।
    - G20 समूह का **स्थायी सचिवालय या मुख्यालय नहीं होता** है।
  - G20 समूह दुनिया की प्रमुख उन्नत और उभरती अर्थव्यवस्थाओं वाले देशों को एक साथ लाता है। यह वैश्विक व्यापार का 75%, वैश्विक निवेश का 85%, **वैश्विक** **सकल घरेलू उत्पाद** का 85% तथा विश्व की दो-तिहाई जनसंख्या का प्रतिनिधित्व करता है।
- **सदस्य:**
  - G20 समूह में अर्जेंटीना, ऑस्ट्रेलिया, ब्राज़ील, कनाडा, चीन, यूरोपियन यूनियन, फ्राँस, जरमनी, भारत, इंडोनेशिया, इटली, जापान, मेक्सिको, रूस, सऊदी अरब, दक्षिण अफ्रीका, कोरिया गणराज्य, तुर्की, यूनाइटेड किंगडम और संयुक्त राज्य अमेरिका शामिल हैं।

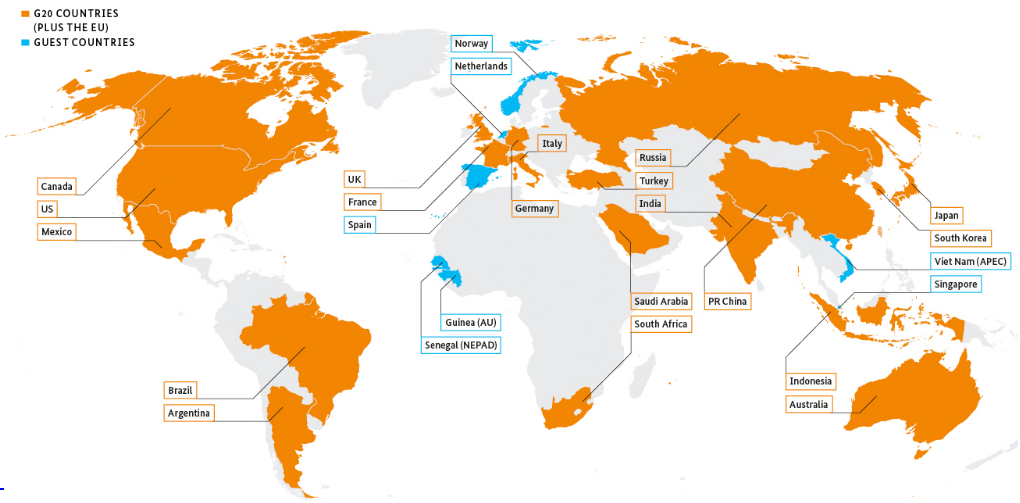

//

- **समूहीकरण का अधदिश:**
  - G20 अंतर्राष्ट्रीय आर्थकि सहयोग का प्रमुख मंच है, जो इस मान्यता को दर्शाता है कि वैश्वकि समृद्धि अन्योन्याश्रति है और आर्थकि अवसर एवं चुनौतियाँ आपस में जुड़ी हुई हैं।
  - भविष्य की बेहतर तैयारी के लिये G20 देश एक साथ आए हैं।
  - समूह का प्राथमकि जनादेश अंतर्राष्ट्रीय आर्थकि सहयोग के लिये है, जिसमें दुनिया भर में भविष्य के वित्तीय संकटों को रोकने हेतु विशेष ज़ोर दिया गया है।
  - यह वैश्वकि आर्थकि एजेंडा को आकार देने में महत्त्वपूर्ण भूमिका निभाता है।
  - वर्ष 1999-2008 से केंद्रीय बैंक के गवर्नरों और वित्त मंत्रियों के एक समूह से लेकर राज्यों के प्रमुखों तक के मंच का समर्थन किया गया।
- **भारत और G20:**
  - भारत ने G20 के संस्थापक सदस्य के रूप में महत्वपूर्ण मुद्दों और दुनिया भर में सबसे कमज़ोर लोगों को प्रभावित करने वाले मुद्दों को उठाने के लिये इस मंच का उपयोग किया है।
  - वर्ष 2022 में वैश्वकि आर्थकि एजेंडा मंच की अध्यक्षता भारत द्वारा की जानी है, यह भारत के लिये अंतर्राष्ट्रीय क्षेत्र में अपनी उपस्थिति को बढ़ावा देने हेतु एक चुनौती के साथ-साथ एक अवसर भी है।
  - लेकिन **बेरोज़गारी** दर में वृद्धि और अपने क्षेत्रों में **गरीबी** के कारण इसके लिये प्रभावी ढंग से नेतृत्व करना मुश्किल है।

स्रोत: द हिंदू

PDF Refernece URL: https://www.drishtiias.com/hindi/printpdf/india-joins-g20-troika